Chapter 4

bseb class 8th science notes कपड़े तरह-तरह के : रेशे तरह-तरह के

कपड़े तरह-तरह के : रेशे तरह-तरह के

* रोटी, कपड़ा और मकान ये तीन मानव के न्यूनतम आवश्यकताओं में से एक है। जिस तरह रोटी हमारे जीवन का आधार है ठीक उसी तरह जाड़ा, गर्मी, वर्षा आदि से कपड़ा मेरी रक्षा कर जीवन को आगे बढ़ाने का काम करता है। अलग-अलग मौसम में अलग-अलग तरह के वस्त्र धारण कर हम अपने शरीर की रक्षा करते हैं।

* वस्त्र को बनाने के लिए जिन पदार्थों का प्रयोग किया जाता है उसे हम तन्तु कहते हैं। वैसे तन्तु जो पौधों एवं जन्तुओं से प्राप्त होते हैं उसे प्राकृतिक तन्तु कहते हैं।
कपास, रेशम, ऊन आदि इसके अलावे केले के पत्ते एवं तने, बांस से भी तन्तु प्राप्त किया जाता है। वे सभी तन्तु जो पौधे व जन्तु से न प्राप्त कर रासायनिक पदार्थों से बनाए जाते हैं उसे मानव निर्मित तन्तु कहते हैं। जैसे—पॉलिस्टर, नायलॉन, एक्रिलिक आदि। .

* वस्त्र के निर्माण में तन्तु से लेकर वस्त्र तक अनेक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। जैसे- कताई, बुनाई, बंधाई आदि । रेशों से तागा बनाने की प्रक्रिया को कताई कहते हैं। इस प्रक्रिया में, रूई के एक पुंज से रेशों को खींचकर ऐंठते हैं। ऐसा करने से रेशे आस-पास आ जाते हैं और तागा बन जाता है। कताई के लिए तकली तथा चरखा आदि जैसी युक्तियों का प्रयोग किया जाता है। कताई के बाद बुनाई तथा उसके बाद बंधाई प्रक्रिया के बाद वस्त्र का निर्माण होता है। वर्तमान में ये सभी प्रक्रिया अब मशीन से होती है।

* तन्तुओं के प्रकार-तन्तु दो प्रकार के होते हैं-
(1) प्राकृतिक तन्तु और (2) संश्लिष्ट या मानव निर्मित तन्तु ।
(1) प्राकृतिक तन्तु-वैसे तन्तु जो पौधे एवं जन्तु से प्राप्त होते हैं, उसे प्राकृतिक तन्तु कहते हैं। जैसे-रेशम, ऊन, जूट, सूत आदि ।
(2) संशलिष्ट तन्तु या मानव निर्मित तन्तु–वैसे तन्तु जो पौधों एवं जन्तुओं से न प्राप्त कर रासायनिक पदार्थों से बनाए जाते हैं, उसे मानव निर्मित तन्तु या संश्लिष्ट तन्तु कहते हैं। जैसे—पॉलिस्टर, नायलॉन, एक्रिलिक आदि ।

* कताई-तन्तुओं से तागा बनाने की प्रक्रिया को कताई कहते हैं। कताई में तकली, चरखा, कताई मशीन आदि उपकरणों का प्रयोग किया जाता है। तागे से वस्त्र बनाने की कई विधियाँ प्रचलित हैं। इनमें से दो प्रमुख विधियाँ बुनाई तथा बंधाई हैं।

https://www.evidyarthi.in/